खास-खबर

अभी तक 2 लाख 56 हजार 225 कोरोना मरीजों तक पहुँची मेडिकल किट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 2 लाख 56 हजार 225 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 14 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 2 लाख 56 हजार 225 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं।

मुंगावली अस्पताल में रोगियों और चिकित्सकों से मिले राज्य मंत्री

भोपाल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री एवं कोविड-19 के आशोकनगर जिला प्रभारी मंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव सिविल अस्पलात मुंगावली पहुँचकर रोगियों तथा चिकित्सकों से मिले। उन्होंने रोगियों एवं उनके परिजनों से उपलब्ध हो रहे उपचार की जानकारी ली। राज्य मंत्री ने चिकित्सकों से कहा कि आमजन के इलाज में कोई कमी न आने पाये। अस्पताल की प्रत्येक जरूरत को समय पर पूरा किया जायेगा।

लगवाया को-वैक्सीन का दूसरा डोज: मुंगावली नगर में जन-जागरूकता के उद्देश्य से भ्रमण के दौरान श्री यादव नगर भवन में संचालित वैक्सीनेशन सेंटर पहुँचे। श्री यादव ने निर्धारित समय अवधि पूर्ण होने पर को-वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाया।

नगर निगम द्वारा संपूर्ण शहर में व्यापक सेनेटाइजेशन कार्य जारी

भोपाल। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं उसकी रोकथाम के लिए नगर निगम, भोपाल द्वारा संपूर्ण शहर के रहवासी क्षेत्रों, बाजारों, कार्यालयों, संस्थानों आदि में 20 से अधिक बडी ट्रिपर, एंटी फागिंग मशीनों एवं टेक्टर माउंट स्प्रीलिंकर्स तथा जोन स्तर पर बड़ी संख्या में हस्तचलित स्प्रे मशीनों के माध्यम से सेनेटाइजेशन की कार्यवाही व्यापक पैमाने पर निरंतर की जा रही है। नगर निगम प्रशासक एवं संभागायुक्त कवीन्द्र कियावत के निर्देश एवं निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी के आदेश पर नगर निगम भोपाल द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने एवं नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए शहर के प्रमुख रहवासी क्षेत्रों/कालोनियों, बाजारों, कार्यालयों एवं संस्थानों में सेनेटाइजेशन का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

हिंदी विवि की सर्वोच्च साधारण परिषद् में 3 तीन सदस्यों की नियुक्ति

भोपाल। राज्यपाल एवं कुलाधपति श्रीमति आनंदीबेन पटेल द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल में कवि राकेश दांगी को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च साधारण परिषद् का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस परिषद के अध्यक्ष मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हैं । पदेन सदस्य के रूप में उच्च शिक्षामंत्री एवं वित्तमंत्री व प्रदेश के समस्त सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपति हैं एवं कुछ विशिष्ट सदस्य की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है । इसी के तहत राकेश दाँगी की नियुक्ति की गई है । सभी सदस्यों का कार्यकाल मई 2025 तक 4 वर्ष का रहेगा। कुलाधिपति द्वारा डॉ. वंदना गांधी को भी सदस्य बनाया गया है । समाज सेविका डॉ. गांधी का कार्यकाल भी चार सालों के लिए होगा। इसी तरह डॉ. आनंद कुमार सिंह को भी सम्माननीय सदस्य बनाया गया है। हिंदी के प्राध्यापक डॉ. सिंह का कार्यकाल भी चार सालों का रहेगा। डॉ. गांधी एवं डॉ. सिंह दोनों ही सदस्य राजधानी भोपाल से हैं ।

केंद्र सरकार ने टीकाकरण में बैंककर्मियों को प्राथमिकता का दिया आदेश

भोपाल। राष्ट्रीय स्तर पर भारी संख्या में बैंककर्मियों के संक्रमित होने तथा मृत्यु को प्राप्त होने की स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने बैंकिंग सेवा को जारी रखने के लिए बैंककर्मियों को प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण का आदेश प्रसारित किया है। अब तक देश में 1200 से ज्यादा बैककर्मियों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि प्रदेश में 7 हजार से ज्यादा संक्रमित हो चुके हैं और 70 से ज्यादा की मृत्यु हुई है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के संयोजक मोहनकृष्ण शुक्ला ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव देवाशीष पांडा ने सभी राज्य सरकारों को उक्त प्राथमिकता के क्रियान्वयन हेतु स्थानीय प्रशासन को निर्देशित करने का आदेश दिया है।

श्योपुर के मरीज राजस्थान में करा सकेंगे इलाज

कमलनाथ ने गहलोत से बात कर हटवाया प्रतिबंध, कोटा व सवाई माधोपुर जाने से सीमा पर रोक रही थी राजस्थान पुलिस

भोपाल (काप्र)।

राजस्थान सरकार ने मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले से कोरोना का इलाज कराने कोटा व सवाई माधोपुर जाने वाले मरीजों पर लगाया प्रतिबंध हटा लिया है। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से फोन पर बात की थी।

मध्य प्रदेश की सीमा पर राजस्थान पुलिस तैनात की गई है। यहां राजस्थान में प्रवेश उसे ही दिया जा रहा था, जिनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव रहती है। कमलनाथ ने जारी बयान में कहा है, महामारी में प्रदेश के श्योपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं व संसाधनों के अभाव व ग्वालियर की ज्यादा दूरी होने के कारण स्थानीय लोग इलाज खासकर सीटी स्कैन व अन्य आवश्यक जांच के लिए बड़ी संख्या में नजदीकी राजस्थान के कोटा व सवाई माधोपुर नियमित रूप से जाते थे, लेकिन पिछले दिनों

इन शहरों में जाने वाले मरीजों को पार्वती व चंबल नदी सीमाओं पर रोक दिया जाता है।

श्योपुर के लोगों ने इसकी शिकायत कमलनाथ से की थी। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से चर्चा की। प्रतिबंधों में शिथिलता प्रदान करने अनुरोध किया था। गहलोत ने तत्काल निर्णय लेते हुए स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इलाज के लिए राजस्थान आने वालों को ना रोका जाए।

श्योपुर में कोरोना के एक्टिव केस 604 हैं, लेकिन इलाज की पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के कारण यहां के लोग कोटा और सवाई माधोपुर जाते हैं। श्योपुर में ऑक्सीजन बेड कुल 96 हैं, इसमें से 63 भरे हैं, जबकि आईसीयू बेड 11 में से 10 भरे हैं।

शिवराज की कमलनाथ से चर्चा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को सुबह कमलनाथ से फोन पर चर्चा कर उन्हें प्रदेश में कोरोना की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के कई जिलों में बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए अभी प्रदेश में जनता कर्फ्यू व प्रतिबंधों को आगे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है, ताकि कोरना के बढ़ते संक्रमण को रोका जा सके। इस पर उन्होंने कांग्रेस से समर्थन मांगा। इस पर कमलनाथ ने उन्हें कहा कि कांग्रेस इस संकट की घड़ी में पूरी तरह सरकार के साथ खड़ी है। उसके हर निर्णय के साथ हम खड़े हैं।

ताऊ-ते का इफेक्ट:बारिश का यलो अलर्ट

इंदौर-भोपाल समेत 4 संभागों और जबलपुर-ग्वालियर समेत 12 जिलों में पानी गिरने की संभावना

भोपाल (काप्र)।

मध्यप्रदेश में अगले चौबीस घंटों के दौरान तेज हवाओं और गरज चमक के साथ साथ बारिश होगी। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई इलाकों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि प्रदेश के इंदौर और भोपाल समेत 4 संभागों के अलावा जबलपुर-ग्वालियर समेत 12 जिलों में बारिश होगी।

यह बारिश अरेबियन सी के दक्षिण पूर्व में बने तुकाते साइक्लोन के कारण होगी। इसका असर प्रदेश में 19 मई तक रहेगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक जेडी मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ एक ट्रफ के रूप में सक्रिय है। वहीं मध्य पाकिस्तान, बुंदेलखंड और दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय हैं, जिससे होकर पूर्व-पश्चिम ट्रफ लाइन झारखंड-असम तक और उत्तर-दक्षिण ट्रफ लाइन विदर्भ-तेलंगाना तक गुजर रही हैं।

साथ ही दक्षिण-पूर्वी अरब सागर/लक्षद्वीप क्षेत्र में निम्न दाब क्षेत्र विकसित हो चुका है। इसके आज से डिप्रेशन और 16 मई को चक्रवातीय तूफान (ताऊ-ते) में प्रभावशाली होने की प्रबल आशंका है। यह 18 मई को गुजरात तट पर पहुंचेगा अरब सागर के दक्षिण पूर्व में चक्रवात सक्रिय हो गया है।

भोपाल, इंदौर, होशंगाबाद उज्जैन संभागों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। इसके अलावा जबलपुर, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, शहडोल, उमरिया, पन्ना, दमोह और टीकमगढ़ में बारिश होगी। यहां पर हवा की रफ्तार 40 किमी प्रतिघंटा तक हो सकती है।

19 मई के बाद बढ़ेगा तापमान: मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में 19 मई के बाद तापमान में वृद्धि होगी। प्रदेश में 24 मई के बाद पारा चढ़ेगा। संभावना यह भी है कि इस बार 24 के बाद पारा 44 डिग्री के पार पहुंच सकता है। इस बीच शनिवार को खजुराहो, रायसेन, खंडवा, खरगौन और रतलाम में ज्यादा तापमान रिकॉर्ड किया गया।

यहां बीते चौबीस घंटों में बारिश हुई: मुरैना के कैलारस में 15 मिमी, जौरा में 9 मिमी, भिंड के गोहद में 2 मिमी, लहार में 2 मिमी, सिटी में 1 मिमी, दतिया के सेवढ़ा में 2 मिमी, शिवपुरी के करैरा में 4 मिमी, नरवर में 2 मिमी, ग्वालियर के भीतरवार में 1.4 मिमी, सिटी में 0.9 मिमी, खरगोन सिटी में 1.2 मिमी, सिवनी के बरघाट में 16 मिमी, लखनादौन में 5.5 मिमी, छपारा में 5.1 मिमी, डिंडौरी के बजाग में 13 मिमी, छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा में 7 मिमी, जुन्नारदेव में 4.6 मिमी, सतना के बिरसिंहपुर में 2 मिमी, रीवा के सिरमौर में 1.2 मिमी और बालाघाट के मलाजखंड में 1 मिमी बारिश हुई।

मध्य प्रदेश से गुजरात जाने-आने वाली ट्रेनें निरस्त

रेलवे ने ताऊ ते तूफान के गुजरात के तटीय क्षेत्र से टकराने की चेतावनी के कारण कुछ गाड़ियों को निरस्त किया है। रेलवे की तरफ से बताया गया है कि गुजरात के तटीय क्षेत्र में दिनांक 17 एवं 18 मई 2021 को तूफान आने की चेतावनी दी गई है। अत: रेल प्रशासन द्वारा रेल संरक्षा एवं यात्रियों के जान माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

गुजरात के तटीय क्षेत्र से 17 एवं 18 मई को तूफान के टकराने की है चेतावनी

जिसमें से पश्चिम मध्य रेल से चलने/समाप्त होने वाली गाड़ी संख्या 01464 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस स्पेशल (वाया इटारसी-भोपाल) दिनांक 16.05.2021 को तथा गाड़ी संख्या 01463 सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 18.05.2021 को प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01466 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस स्पेशल (वाया बीना-भोपाल) एवं गाड़ी संख्या 01465 सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 17.05.2021 को अपने प्रारंभिक स्टेशनों से निरस्त रहेंगी। इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या 09238 रीवा-राजकोट जंक्शन एक्सप्रेस स्पेशल (वाया इटारसी) दिनांक 17.05.2021 को प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

प्रदेश में इस बार रिकॉर्ड तपेगा नौ तपा

भोपाल (काप्र)।

मध्यप्रदेश में इस बार नौ तपा खूब तपेगा। इतना ही नहीं बीते 10 साल में पहली बार औसत तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। इन सालों में अधिकतम पारा अब तक 44 डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंच पाया है।

अगर ऐसा हुआ तो वर्ष 2012 के बाद पहली बार नौ तपा में इतनी गर्मी होगी। मौसम विभाग इसका कारण साइक्लोन का जल्दी आना बता रहा है। इस बार 25 मई से 2 जून तक नौ तपा रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक पीके साहा ने बताया कि इस बार 25 मई से 2 जून तक गर्मी ज्यादा रहेगी। शुरुआती दिनों में यह 44 डिग्री तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि नौ तपा के समय अक्सर साइक्लोन आते हैं। इस कारण कई सालों से नौ तपा उतने नहीं तपे। वर्ष 2015 के बाद वर्ष 2018 और 2019 में तापमान 43 डिग्री के पार पहुंचा था।

इस साल मई में अब तक दो साइक्लोन आ चुके हैं। इस कारण इस बार नौ तपा में तापमान बढ़ेगा। पहले तीन दिन में ही तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की पूरी उम्मीद है। इससे बारिश की संभावना बढ़ जाएगी। पहले सिस्टम और फिर लोकल गतिविधियों से बारिश हो सकती है।

साइक्लोन इस तरह करता है प्रभावित: अप्रैल और मई साइक्लोन सीजन होते हैं। हर महीने एक-दो साइक्लोन आते ही हैं। अरेबियन सी में कम बनते हैं, लेकिन इस बार यहां मजबूत साइक्लोन बन रहे हैं। इसके अलावा वे ऑफ बंगाल में भी साइक्लोन बन रहा है। दोनों सिस्टम पहले ही आ गए। इससे बारिश होने के कारण तापमान उतना नहीं बढ़ पाया। अब कोई साइक्लोन नहीं होने के कारण एक-दो दिन बाद तापमान बढ़ेगा। इस महीने 24 मई से तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी होगी।

खजुराहों में सबसे ज्यादा 46 के पार पहुंचा था तापमान: पिछले वर्ष की बात की जाए तो नौ तपा में सबसे ज्यादा तापमान खजुराहो में ही 46 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया था। हालांकि अन्य शहरों यह इससे कम ही रहा था। इस कारण प्रदेश का औसत तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस था। इससे कम वर्ष 2013 और 2016 में था।

दूसरा डोज लगाने में परेशानी!

45+ के लोगों को बिना वैक्सीनेशन लौटाया

भोपाल (काप्र)।

राजधानी में कोवीशील्ड के दूसरे डोज लगाने को लेकर शनिवार को असमंजस की स्थिति बन गई। कई सेंटरों पर बिना रजिस्ट्रेशन के पहुंचे 45 + वाले लोगों को लौटा दिया गया। हालांकि बाद में करीब 12 बजे सॉफ्टवेयर में एरर की बात कहकर कुछ सेंटर पर ऐसे लोगों का टीकाकरण शुरू किया गया।

शनिवार को नवीन कन्या हायर सेकंडरी स्कूल डी-सेक्टर नेहरू नगर के सेंटर पर सुबह से ही वैक्सीनेशन के लिए 45+ के नागरिक 42 दिन पूरे होने पर वैक्सीन लगवाने पहुंच गए थे। यहां कई लोगों का कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो रहा था। यह वह लोग थे, जो बिना रजिस्ट्रेशन के 42 दिन पूरे होने पर पहुंचे थे। इनमें से कई लोगों को वैक्सीनेशन का मैसेज भी मिला था। यहां वैक्सीन लगवाने पहुंचे अनिल कुमार ने बताया, उनके पास मैसेज आया था, लेकिन यहां आने पर पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करने पर नाम ही नहीं दिख रहा था। इसके बाद उनको बिना टीका लगाए ही जाने के लिए कह दिया गया।

इस प्रकार कई सेंटर पर बिना रजिस्ट्रेशन के पहुंचने वाले लोगों को वापस लौटाया गया। हालांकि करीब 12 बजे इस सेंटर पर बिना रजिस्ट्रेशन के पहुंचने वालों का भी वैक्सीनेशन शुरू कर दिया गया। सेंटर पर मौजूद स्टाफ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सुबह पोर्टल पर बिना रजिस्ट्रेशन के आने वाले लोगों के नाम नहीं शो हो रहे थे। यह सॉफ्टवेयर में एरर के कारण हो सकता है। बाद में पोर्टल पर नाम शो होने पर वैक्सीनेशन शुरू कर दिया गया। यही हाल शिवाजी नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल का रहा। यहां से तो लोगों को बिना वैक्सीन लगवाए लौटना पड़ा।

अब 84 दिनों के बाद लगेगा कोवीशील्ड का दूसरा डोज

केन्द्र सरकार ने कोवीशील्ड के दूसरे डोज के बीच के अंतराल को 6 से 8 सप्ताह से बढ़ाकर 12 से 16 सप्ताह कर दिया है। कोवीशील्ड के लिए ऑनलाइन या ऑन-साइट अपॉइंटमेंट्स पहली वैक्सीन लगने की तारीख से न्यूनतम 84 दिन के बाद ही स्वीकार किए जाएंगे। कोवैक्सिन के दोनों डोज के बीच अंतर पहले ही तरह 28 से 42 दिन ही रहेगा। इसमें परिवर्तन नहीं किया गया है।

वहीं, भोपाल शहरी जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. उपेन्द्र दुबे ने कहा कि कोविन पोर्टल में जिनका दूसरे डोज के लिए रजिस्ट्रेशन हो रहा है, उनको वैक्सीन लगाई जा रही है। सोमवार से सॉफ्टवेयर में अपडेट हो जाएगा। इसके बाद कोवीशील्ड वैक्सीन का दूसरा डोज 84 दिनों के बाद ही लगेगा।

प्रदेश का पहला स्टेप डाउन यूनिट शुरू

भोपाल (काप्र)।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को अशोका गार्डन शहरी स्वास्थ्य केंद्र में स्टेप डाउन यूनिट का शुभारंभ किया। दस बिस्तरीय स्टेप डाउन यूनिट की स्थापना स्वास्थ्य विभाग एवं व्हिश फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में की गई है।

श्री सारंग ने बताया कि स्टेप डाउन यूनिट में शासकीय एवं निजी डेडीकेटेड स्वास्थ्य केंद्र एवं डेडीकेटेड कोविड अस्पताल में उपचार के बाद सामान्य अवस्था में आए ऐसे मरीज जिन्हें कामार्बिडीटी या अन्य स्वास्थ्य समस्या के कारण लंबे समय तक अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में रखने की आवश्यकता होती है या उन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, उन्हें स्टेप डाउन यूनिट में रेफर किया जाएगा। यूनिट के संचालन से गंभीर मरीजों के लिए डेडीकेटेड कोविड स्वास्थ्य केंद्र एवं डेडीकेटेड कोविड अस्पताल में स्थान उपलब्ध हो पाएगा।

श्री सारंग ने बताया कि इस यूनिट में भर्ती मरीजों की निगरानी एवं उपचार प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ के साथ 3 चिकित्सक एवं 3 स्टाफ नर्स 24 घंटे सेवाएँ देंगे। भर्ती मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन योगा अभ्यास के सत्रों का आयोजन किया जाएगा। शनिवार एवं रविवार को ऑनलाइन मनोरंजन कार्यक्रम का भी आयोजन होगा। इस यूनिट की स्थापना के लिए आवश्यक मानव संसाधन, ऑक्सीजन की सप्लाई के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, पीपीई किट, सैनिटाइजर, पल्स ऑक्सीमीटर, नॉन टच थर्मामीटर एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए गए हैं। मरीजों को सेंटर तक लाने की व्यवस्था भी की जा रही है।

श्री सारंग ने बताया कि भोपाल के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी स्टेप डाउन यूनिट स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक डॉ. पंकज शुक्ला, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, यूनिट के विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र दुबे, राज्य प्रतिनिधि डॉ. शालिनी कपूर, शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम विशेषज्ञ डॉ. सविता शर्मा उपस्थित थी।

आनंद का आधार विषय पर ऑनलाइन वेबिनार

भोपाल (काप्र)।

भारतीय सत्य सनातन वैदिक संस्कृति के अनुसार स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ वातावरण ही आनंद का आधारभूत तत्व है। अपना रहन-सहन, खान-पान, आचार-व्यवहार को शुद्ध, सात्विक और संस्कार युक्त रखने से सच्चे आनंद की प्राप्ति होगी। नि:संदेह इससे वातावरण भी शुद्धाधिशुद्ध बनते हुए बेहतर स्थितियों को प्राप्त करेंगा।

यह बात संस्कृति, पर्यटन और आध्यात्म मंत्री सुश्री ठाकुर ने राज्य आनंद संस्थान द्वारा यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज टीम के सहयोग से आनंद का आधार, स्वस्थ मन, स्वस्थ शरीर, स्वस्थ वातावरण विषय पर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में उद्बोधन के दौरान कही। राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अखिलेश अर्गल सहित अन्य अधिकारी और देश के विभिन्न क्षेत्रों से बुद्धिजीवी वेबिनार से जुड़े रहें।

सुश्री ठाकुर ने कहा कि एक पेड़ 10 डिग्री तापमान कम करता है और 10 हजार लीटर पानी अपने भीतर समाहित करता है। कोरोना महामारी से मुक्त होने का पर्यावरण शुद्धि ही बेहतर माध्यम है। वातावरण शुद्ध होगा तो हम सब स्वस्थ होंगे, सुखी होंगे, निरोगी होंगे। मंत्री सुश्री ठाकुर ने संपूर्ण समाज से वृक्षारोपण करने और पर्यावरण की शुद्धि के लिए सूर्योदय और सूर्यास्त के वक्त अग्निहोत्र की दो आहुतियाँ डालने का आह्वाहन किया। उन्होंने कहा कि अग्निहोत्र से उत्पन्न औषधि युक्त धुआँ पर्यावरण के प्रदूषण को समाप्त करेगा और बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में हम सब को आगे लेकर जाएगा। सभी स्वस्थ रहे, सभी आनंदित रहे, क्योंकि स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ वातावरण के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

मुख्य उद्बोधन अतिथि डॉ. रजनीश अरोड़ा ने कहा कि मानव के जीवन का फैलाव चार आधारभूत क्षेत्रों में है। एक मानव स्वयं में, अपने परिवार में, अपने समाज में तथा संपूर्ण अस्तित्व में विस्तारित होकर आनंद पूर्वक जीवन जी सकता है। इसके लिए सर्वप्रथम मन का स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थ मन से आशय सही भाव विचार, सत्य का ज्ञान और प्रेम का भाव होना है। आनंद का दूसरा आधार स्वस्थ शरीर है। स्वस्थ शरीर से आशय बीमारियों, भय, चिंता का न होना है। तीसरा आधार स्वस्थ वातावरण है। स्वस्थ वातावरण से आशय स्वस्थ समृद्ध परिवार है, जिसमें परस्पर संबंधों में सही समझ व एक दूसरे की केयर करना शामिल है। स्वस्थ वातावरण के साथ चौथे आधार स्वस्थ समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसमें न्याय व्यवस्था एवं सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय का भाव निहित है। यदि हम इन चारों आधारों को मजबूत करते हैं तो चारों तरफ आनंद व्याप्त हो सकता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मकरोनिया जिला-सागर म.प्र.

(E-mail:cmomakronia@mpurban.gov.in)

क्रमांक/निविदा/2021/181 मकरोनिया दिनांक 14.05.2021

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद मकरोनिया क्षेत्रान्तर्गत बाजार बैठकी वसूली हेतु पत्र क्रमांक /निविदा/2021/3158 दिनांक 25.03.2021 के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गई थी। किन्तु किसी भी निविदाकार द्वारा निविदा में भाग न लिये जाने के कारण सर्वसंबंधितों से अधिकतम दर (H I)के आधार पर द्वितीय ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट WWW.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेंडर क्र.	कार्य का नाम एवं स्थान	शासकीय बोली (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदारी का अनुभव
2021_UAD_142566	नगर पालिका परिषद मकरोनिया क्षेत्रान्तर्गत बाजार बैठकी वसूली कार्य हेतु	27.50	55000/-	5000/-	विगत तीन वर्षों का बाजार बैठकी वसूली का अनुभव प्रमाण पत्र

1. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाईन वेबसाईट WWW.mptenders.gov.in पर दिनांक 17.05.2021 को प्रात: 10:30 बजे से दिनांक 17.06.2021 को शाम 5:30 बजे तक क्रय किया जा सकता है। 2. किसी भी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाईट पर प्रदर्शित किया जावेगा7 समाचार पत्रों पर कोई संशोधन प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(इशांक धाकड)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मकरोनिया जिला-सागर (म.प्र.)